तामिया सेक्टर में पीएचई विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल, उपयंत्री और सहायक यंत्री की भूमिका संदेह के घेरे में

जल जीवन मिशन में बड़ा खेल! निजी भूमि पर बना दी पेयजल टंकी, ठेकेदार को कर दिया भुगतान

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में "हर घर नल-जल" पहुंचाने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन तामिया क्षेत्र में यह योजना भ्रष्टाचार, लापरवाही और अनियमितताओं की भेंट चढ़ती दिखाई दे रही है। पीएचई विभाग परासिया उपसंभाग अंतर्गत तामिया सेक्टर में योजना के कार्यों में भारी धांधली के आरोप सामने आ रहे हैं। हाल ही में एक ऐसा मामला उजागर हुआ है जिसने विभागीय कार्यप्रणाली और तकनीकी अमले की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

निजी भूमि पर बना दी 1 लाख लीटर क्षमता की पेयजल टंकी

तामिया क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत 1 लाख लीटर क्षमता की पेयजल टंकी का निर्माण कराया गया, लेकिन हैरानी की बात यह है कि यह निर्माण शासकीय भूमि पर नहीं बल्कि निजी भूमि पर कर दिया गया। सबसे गंभीर पहलू यह सामने आया कि विभागीय अधिकारियों ने निर्माण कार्य का मूल्यांकन कर ठेकेदार को भुगतान भी जारी कर दिया।ग्रामीणों का आरोप है कि यदि निर्माण स्थल का सही तरीके से निरीक्षण किया गया होता तो इतनी बड़ी लापरवाही संभव ही नहीं थी। मामले ने विभाग के उपयंत्री और अनुविभागीय अधिकारी की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पाइपलाइन कार्यों में भी व्यापक अनियमितताओं के आरोप

ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल टंकी निर्माण ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र में बिछाई जा रही पाइपलाइन के कार्यों में भी भारी अनियमितताएं बरती जा रही हैं। आरोप है कि पाइपलाइन के लिए निर्धारित मापदंडों के अनुसार खुदाई नहीं की गई। कई स्थानों पर पाइप लाइनें आवश्यक गहराई तक नहीं डाली गईं, जिससे भविष्य में पाइप फूटने और जलापूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ गई है।लोगों का कहना है कि यदि किसी भी स्थान पर खुदाई की जांच कराई जाए तो वास्तविकता सामने आ जाएगी। आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि विभागीय उपयंत्री या तो अघोषित रूप से ठेकेदारों के साथ मिले हुए हैं या उन्होंने पूरी जिम्मेदारी ठेकेदारों के हवाले कर दी है।

स्कूलों और आंगनवाड़ियों में बने प्याऊ भी हुए बदहाल

जल जीवन मिशन के तहत स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में बनाए गए प्याऊ भी बदहाली का शिकार हैं। कई स्थानों पर ये निर्माण कार्य शुरुआती दौर में ही खंडहर जैसे दिखाई देने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद जमीनी स्तर पर कार्यों की गुणवत्ता बेहद खराब है।

तहसील जांच में खुलासा, खसरा नंबर 219 की भूमि निकली निजी

मामले ने तब और गंभीर रूप ले लिया जब भूमि स्वामी द्वारा इसकी शिकायत तहसील कार्यालय में की गई। शिकायत के बाद हुई जांच में पटवारी शत्रुघ्न कुमरे ने अपने प्रतिवेदन में स्पष्ट किया कि खसरा नंबर 219 की भूमि निजी स्वामित्व की है। यह प्रतिवेदन तहसीलदार को सौंप दिया गया है।अब संभावना जताई जा रही है कि जांच के बाद इस निर्माण कार्य पर रोक लग सकती है। यदि ऐसा होता है तो करोड़ों की योजना के तहत बनी टंकी उपयोग से पहले ही विवादों में घिर जाएगी और इसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ेगा।

पंचायत सचिव ने अनापत्ति देने से किया इनकार

ग्राम पंचायत तामिया के सचिव जगत शाह टेकाम से जब इस संबंध में चर्चा की गई तो उन्होंने साफ कहा कि पंचायत द्वारा किसी भी निजी भूमि पर टंकी निर्माण के लिए कोई अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है। सचिव के इस बयान के बाद विभागीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली और अधिक संदेह के घेरे में आ गई है।ग्रामीणों का आरोप है कि तकनीकी अमला बिना स्थल निरीक्षण किए घर बैठे लेआउट और तकनीकी स्वीकृतियां दे रहा है, जिसका परिणाम अब निजी भूमि पर बने निर्माण के रूप में सामने आया है।

जिम्मेदारी तय करने की उठी मांग

निजी भूमि पर निर्माण और भुगतान के मामले को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि शासन की राशि का दुरुपयोग हुआ है और इसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। ग्रामीणों ने मांग की है कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही से यह स्थिति बनी है, उनसे भुगतान की राशि की वसूली की जाए।

अधिकारियों ने साधी चुप्पी

मामले में क्षेत्र के उपयंत्री राजवीर तोमर से मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। वहीं एसडीओ प्राची घूरे ने नेटवर्क समस्या का हवाला देते हुए बाद में बात करने की बात कही, लेकिन दोबारा संपर्क नहीं हो सका। ऐसे में विभाग का पक्ष स्पष्ट रूप से सामने नहीं आ पाया है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि पीएचई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराएं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ऐसी लापरवाहियों पर रोक नहीं लगी तो जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजना की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो जाएंगे।

परासिया विधानसभा में गहराया जल संकट

दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाने को मजबूर ग्रामीण, शहरी क्षेत्रों में भी मचा हाहाकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

भीषण गर्मी के बीच परासिया विधानसभा क्षेत्र इन दिनों गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों में लोग पीने और दैनिक उपयोग के पानी के लिए दूर-दूर तक भटकने को मजबूर हैं, तो वहीं दूसरी ओर शहरी क्षेत्रों में भी पानी की किल्लत ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। हालात ऐसे बन चुके हैं कि शासन-प्रशासन द्वारा जल व्यवस्था को लेकर किए जा रहे दावे जमीनी स्तर पर पूरी तरह विफल नजर आ रहे हैं।

अरबों खर्च, फिर भी प्यासे लोग

लोगों को नियमित और सुचारु रूप से पानी उपलब्ध कराने के लिए शासन द्वारा जल आवर्धन योजना, नल-जल योजना और अमृत योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं पर अरबों-खरबों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। बावजूद इसके हर वर्ष गर्मी के मौसम में पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर लेती है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी नल-जल योजनाएं अधूरी पड़ी हैं, जबकि अनेक हैंडपंप गर्मी बढ़ने के साथ सूख चुके हैं।ग्रामीणों का कहना है कि योजनाओं की घोषणा तो बड़े स्तर पर होती है, लेकिन जमीनी अमल बेहद कमजोर है। परिणामस्वरूप लोगों को आज भी मूलभूत सुविधा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

पहाड़ियों और दूरस्थ क्षेत्रों से पानी लाने को मजबूर ग्रामीण

परासिया विधानसभा के कई गांवों में हालात बेहद चिंताजनक हैं। ग्रामीण महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे पानी के लिए कई किलोमीटर दूर पहाड़ी क्षेत्रों और पुराने जल स्रोतों तक पहुंच रहे हैं। घंटों हैंडपंप चलाने के बाद मुश्किल से कुछ बाल्टी पानी मिल पा रहा है। कई गांवों में सुबह से ही पानी भरने के लिए लंबी कतारें लग जाती हैं।ग्रामीणों का कहना है कि पानी लाने में ही उनका आधा दिन गुजर जाता है, जिससे खेती-किसानी, मजदूरी और बच्चों की पढ़ाई तक प्रभावित हो रही है। भीषण गर्मी में पानी की यह जद्दोजहद लोगों के लिए किसी परीक्षा से कम नहीं है।

परासिया शहर में 10 से 12 दिनों में मिल रहा पानी

जल संकट केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। परासिया शहर जैसे प्रमुख शहरी क्षेत्र में भी पानी को लेकर भारी संकट बना हुआ है। शहर में कई मोहल्लों में 10 से 12 दिनों के अंतराल में पानी सप्लाई हो रही है। इससे लोगों में भारी नाराजगी है। नागरिकों का कहना है कि अनियमित जलापूर्ति के कारण उन्हें निजी टैंकरों पर निर्भर होना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ गया है।इस समस्या को लेकर परासिया में कई बार आंदोलन और प्रदर्शन भी हो चुके हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि हर बार केवल आश्वासन दिए जाते हैं, लेकिन स्थायी समाधान आज तक नहीं निकाला गया।

अमृत-2 योजना की धीमी रफ्तार ने बढ़ाई चिंता

परासिया शहर की जल समस्या के समाधान के लिए अमृत-2 योजना के तहत मंधान डेम से पानी लाने की महत्वाकांक्षी योजना तैयार की गई थी। इस योजना से लोगों को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन काम की धीमी गति अब चिंता का कारण बनती जा रही है।जानकारी के अनुसार, आधा मई महीना गुजर जाने के बावजूद अब तक केवल लगभग 4 किलोमीटर पाइपलाइन ही बिछाई जा सकी है, जबकि अभी भी 10 से 15 किलोमीटर का कार्य बाकी है। ऐसे में लोगों को आशंका है कि इस गर्मी में भी योजना पूरी नहीं हो पाएगी और जल संकट बरकरार रहेगा।

न्यूटन चिखली में भी गहराया संकट

नगर पंचायत न्यूटन चिखली में भी जल संकट गंभीर रूप लेता जा रहा है। यहां चार-चार दिनों के अंतराल में पानी की सप्लाई की जा रही है। वह भी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रही, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई मोहल्लों में लोग पानी के भंडारण के लिए टंकियों और ड्रमों का सहारा ले रहे हैं।हालांकि नगर पंचायत बड़कुही और चांदामेटा में फिलहाल स्थिति अपेक्षाकृत सामान्य बताई जा रही है, लेकिन यदि गर्मी और बढ़ी तो वहां भी संकट गहराने की आशंका बनी हुई है।

प्रशासनिक दावों पर उठ रहे सवाल

लगातार बढ़ते जल संकट ने शासन और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि हर वर्ष गर्मी के मौसम में यही स्थिति निर्मित होती है, लेकिन समय रहते कोई ठोस तैयारी नहीं की जाती। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि लोगों को पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा, तो योजनाओं की गुणवत्ता और निगरानी पर गंभीर सवाल उठना स्वाभाविक है।अब क्षेत्रीय नागरिकों ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल प्रभाव से जल संकट प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों की व्यवस्था करे, बंद पड़ी नल-जल योजनाओं को शीघ्र पूरा कराया जाए तथा दीर्घकालिक समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि लोगों को इस भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

पानी के लिए तरस रहे ग्रामीण, लगातार शिकायतों के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था

कई दिनों तक नहीं आते नल, जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता से बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिंगोड़ी

सिंगोड़ी। क्षेत्र में लगातार गहराते पेयजल संकट ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नल-जल व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है और लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। कई दिनों तक नल नहीं आने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या को लेकर कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, समाचार पत्रों में खबरें भी प्रकाशित हुईं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर इसका कोई असर दिखाई नहीं दे रहा।ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति पूरी तरह अनियमित हो चुकी है। कई-कई दिनों तक नल नहीं आते और जब पानी छोड़ा भी जाता है तो वह पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पाता। कई मोहल्लों और वार्डों में लोगों को कुछ ही मिनटों के लिए पानी मिलता है, जिससे उनकी दैनिक जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं। भीषण गर्मी के बीच हालात और अधिक खराब होते जा रहे हैं।

दूर-दराज से पानी लाने को मजबूर लोग

जल संकट का सबसे ज्यादा असर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों पर पड़ रहा है। ग्रामीणों को मजबूरी में दूर-दराज के क्षेत्रों से पानी लाना पड़ रहा है। कई महिलाएं सुबह से ही बर्तन और डिब्बे लेकर पानी की तलाश में निकल जाती हैं। कई बार घंटों इंतजार करने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता।ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा हर घर नल-जल योजना के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद लोगों को मूलभूत सुविधा तक उपलब्ध नहीं हो पा रही। लोगों ने आरोप लगाया कि विभागीय लापरवाही और पंचायत की निष्क्रियता के कारण हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं।

बैठक और प्रस्तावों तक सीमित जिम्मेदार

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत और संबंधित विभाग के जिम्मेदार लोग केवल बैठकों और प्रस्तावों तक ही सीमित हैं। जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही। कई बार अधिकारियों को स्थिति से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में हालात और गंभीर हो सकते हैं। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित कर्मचारी और अधिकारी शिकायतों को गंभीरता से नहीं ले रहे, जिसके कारण ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

आंदोलन की चेतावनी

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि पेयजल आपूर्ति को तत्काल नियमित किया जाए तथा जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही के कारण यह स्थिति बनी है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।ग्रामीणों का कहना है कि पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए लोगों को संघर्ष करना पड़ रहा है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अब सभी की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं कि आखिर कब लोगों को इस भीषण जल संकट से राहत मिल पाएगी।

प्राकृतिक खेती से आत्मनिर्भर बनीं वंदना इंगले

केंचुआ खाद और प्राकृतिक खेती ने बदली जिंदगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

जिले के मारई गांव की रहने वाली महिला कृषक श्रीमती वंदना इंगले ने यह साबित कर दिया है कि यदि किसान आधुनिक सोच के साथ प्राकृतिक खेती अपनाए, तो खेती केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं बल्कि सम्मान और समृद्धि का माध्यम भी बन सकती है। महिला सशक्तिकरण और कृषक कल्याण वर्ष 2026 के संदर्भ में उनकी सफलता ग्रामीण महिलाओं और किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

संघर्ष से सफलता तक का सफर - श्रीमती वंदना इंगले पति श्री तुकाराम इंगले, के पास लगभग 2 एकड़ कृषि भूमि, 3 देसी गायें तथा सिंचाई के लिए एक कुआँ उपलब्ध था। वे कई वर्षों से खरीफ सीजन में मक्का तथा रबी सीजन में गेहूँ की खेती पारंपरिक रासायनिक पद्धति से करती आ रही थीं। लगातार रासायनिक खेती के कारण उत्पादन लागत बढ़ती जा रही थी, जबकि खेत की मिट्टी की उर्वरता घट रही थी। कम उत्पादन और बढ़ते खर्च के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति भी प्रभावित हो रही थी।

कृषि विभाग से मिली नई दिशा - वर्ष 2016-17 में कृषि विभाग की आत्मा परियोजना के अधिकारियों से संपर्क होने पर उन्हें जैविक एवं प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी मिली। यह जानकारी उनके जीवन में परिवर्तन का आधार बनी। परम्परागत कृषि विकास योजना के अंतर्गत गांव में 50 किसानों का एक क्लस्टर बनाया गया और जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ट्रेनिंग दी गई, जिसमें श्रीमती वंदना इंगले ने सक्रिय भागीदारी निभाई और अन्य किसानों को भी इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

योजना के तहत कृषि विभाग द्वारा उनके खेत पर 8×4×1 आकार का केंचुआ खाद टांका बनाया गया तथा 2 किलो केंचुए उपलब्ध कराए गए। यहीं से उनके जीवन में नई शुरुआत हुई। प्रारंभिक सफलता के बाद उन्होंने स्वयं के खर्च से चार अतिरिक्त केंचुआ टांकों का निर्माण कराया और बड़े स्तर पर वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन प्रारंभ किया।

प्राकृतिक खेती बनी आय का मजबूत आधार - आज कृषक श्रीमती वंदना इंगले अपने खेत में देसी गाय के गोबर और गोमूत्र से तैयार बीजामृत, जीवामृत, नीमास्त्र जैसे प्राकृतिक खेती के अवयवों का उपयोग कर रही हैं। इतना ही नहीं, वे अतिरिक्त जैविक खाद और जैविक दवाइयों की पैकेजिंग कर आसपास के किसानों को उचित मूल्य पर बेच भी रही हैं।

उनकी खेती में अब रासायनिक उर्वरकों और जहरीली दवाइयों का उपयोग पूरी तरह बंद हो चुका है। प्राकृतिक खेती अपनाने से खेत की मिट्टी भुरभुरी और उपजाऊ हुई है तथा सूक्ष्म जीवाणुओं की संख्या में वृद्धि हुई है, जिससे फसलों का उत्पादन बेहतर हो रहा है।

खबर संक्षेप

पूर्णता की ओर पुल निर्माण, माह अंत तक मार्ग खुलने का दावा जाम से राहत मिलने की गुंजाईश कम

परासिया - तामिया मार्ग पर स्तिथ रेलवे पुल के नीचे अक्सर पानी भरने , जाम लगने की समस्या नासूर बन चुकी थी । अब इस पुल का निर्माण पूर्णता की ओर अग्रसर है । मई के अंत तक इस मार्ग को चालू करने का दावा निर्माण एजेंसी ने किया है । मार्ग चालू होने से जाहिर है , लोगों को राहत मिलेगी , लेकिन जाम से राहत मिलने की गुंजाईश कम नजर आ रही है ।परासिया - तामिया मार्ग पर स्तिथ पुल के निर्माण के चलते नवंबर 2025 से यह मार्ग बंद है । लोग वैकल्पिक मार्ग से आना - जाना कर रहे हैं । जर्जर वैकल्पिक मार्गों से आना - जाना करते करते लोग हलाकान हो गए हैं । अब हर कोई यही चाहता है , कि मार्ग जल्द शुरू हो जाए । पुल का बॉक्स अपनी जगह स्थापित हो चुका है । दोनों तरफ कांक्रीट सड़क का काम चालू है । निर्माण एजेंसी का दावा है मई के अंत तक मार्ग चालू कर दिया जाएगा । पुल की चौड़ाई को लेकर लोग सवाल खड़े कर रहे हैं । लोग कह रहे हैं , कि पुल के नीचे पानी भरेगा या नहीं , यह तो बारिश में पता चलेगा , लेकिन वाहनों का जाम लगने से राहत मिलेगी या नहीं इसकी गुंजाईश कम नजर आ रही है । यदि ऐसा हुआ तो बात फिर वहीं ढाक के तीन पात वाली हो जाएगी । **व्यापार हुआ प्रभावित :**-पुल निर्माण के लिए मुख्य मार्ग को बंद कर वैकल्पिक मार्ग चालू किए गए । जिससे पुल के दोनों तरफ स्तिथ दुकानदारों के व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुए हैं । व्यापारियों का कहना है , कि मार्ग बंद होने से उनके ग्राहकों की संख्या घटकर आधी रह गई है । रविवार और गुरुवार बाजार वाले दिन भी कोई खास धंधा नहीं हो रहा है । हालांकि व्यापारियों को इस बात की खुशी है

सौंसर मंडी में अंधेरगर्दी: किसानों के हक पर 'सेटिंग' का डाका, अन्नदाता हो रहा है व्यापारियों के कारण परेशान, पिपलानावार के रसूखदार व्यापारी पर केंद्र प्रभारी मेहरबान

कृषि उपज मंडी परिसर सौंसर में शासन स्तर पर चल रही गेहूं, चना और तुवर खरीदी व्यवस्था इस समय भ्रष्टाचार और भारी अव्यवस्था का अड्डा बन चुकी है। अन्नदाता कड़कती धूप में अपनी उपज बेचने के लिए तीन-चार दिनों से कतारों में खड़ा आंसू बहा रहा है, वहीं केंद्र प्रभारी कुछ रसूखदार निजी व्यापारियों को फायदा पहुंचाने में व्यस्त है।

सौंसर

हालात इस कदर बदतर हैं कि जिला भाजपा अध्यक्ष सन्दीप मोहड़ की सख्त चेतावनी के बाद भी व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। यहां केंद्र प्रभारी कर्मचारियों की खुलेआम मनमानी चल रही है। **पिपला नारायणवार के व्यापारी से 'लंबी सेटिंग', किसानों का माल अटका** किसान सूत्रों से मिली चौंकाने वाली जानकारी के अनुसार, तुवर खरीदी केंद्र पर बैठे कर्मचारियों का एक बड़ा कारनामा सामने आया है। पिपला नारायणवार के एक बड़े तुवर खरीदी करने वाले व्यापारी पर मंडी प्रबंधन इन दिनों जरूरत से ज्यादा मेहरबान है। चर्चा है कि इस व्यापारी और प्रबंधन के बीच लंबी सेटिंग' हो चुकी है। जैसे ही इस चहेते व्यापारी का माल मंडी पहुंचता है, वैसे ही दिन-रात से कतार में खड़े गरीब किसानों की उपज को किनारे कर दिया जाता है और पहले व्यापारी के माल की तुलाई धड़ल्ले से शुरू हो जाती है। **प्रति बोरा 20 से 30 रुपये की अवैध वसूली, ट्रकों को प्राथमिकता**.....मंडी में खुलेआम चल रही इस लूट से त्रस्त किसानों का आक्रोश अब फूट पड़ा है। किसानों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि: गेहूं और तुवर की तुलाई के नाम पर प्रति बोरा 20 से 30 रुपये की खुली घूस मांगी जा रही है। जो किसान पैसा नहीं देता, उसकी उपज को जानबूझकर रिजेक्ट या लंबित कर दिया जाता है। भुम्मा गांव के पीड़ित किसान सुभाष बुआडे ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा,मैं तीन-चार दिन से मंडी में बैठा हूं, लेकिन मेरी तुलाई नहीं की जा रही। किसानों के गेहूं-तुवर को छोड़कर, बाहर से आने वाले चने के ट्रकों को पहले तौला जा रहा है।**भाजपा जिलाध्यक्ष के औचक निरीक्षण से मचा हड़कंप, प्रभारी को लगी फटकार....** किसानों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद हाल ही में जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहोड ने अचानक मंडी परिसर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। जिलाध्यक्ष के अचानक पहुंचने से मंडी में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद अव्यवस्था और किसानों का दर्द देख जिलाध्यक्ष का पारा चढ़ गया। उन्होंने केंद्र प्रभारी और कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाते हुए दो टूक शब्दों में चेतावनी दी शासन ने यह व्यवस्था किसानों को राहत देने के लिए बनाई है, न कि चंद भ्रष्ट कर्मचारियों की जेबें भरने के लिए। किसानों के साथ भेदभाव और अवैध वसूली किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। अगर दोबारा शिकायत मिली, तो सीधे सस्पेंशन और कठोर कानूनी कार्रवाई होगी।**बड़ा सवाल: कब जागेगा प्रशासन**.....जिलाध्यक्ष की फटकार के बाद क्या केवल कागजी चेतावनी ही रह जाएगी या इन भ्रष्ट कर्मचारियों पर कोई ठोस गाज गिरेगी? पिपला नारायणवार के उस व्यापारी और केंद्र संचालक के गठजोड़ पर उच्च स्तरीय जांच होना बेहद जरूरी है, ताकि सौंसर के आम और छोटे किसानों को उनका हक मिल सके।

हेडगेवार जी ने जेल में रहकर भी व्यक्ति निर्माण के कार्य को जारी रखा

छिंदवाड़ा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाकौशल प्रांत द्वारा छिंदवाड़ा में श्री माताजी निर्मला देवी सहजयोग ट्रस्ट लिंगा में संघ शिक्षा वर्ग सामान्य (विद्यार्थी) आयु 15 वर्ष से 40 वर्ष 16 मई 2026 शनिवार दोपहर 11:30 बजे से 1 जून 2026 सोमवार प्रात 8:00 बजे तक रहने वाला है। वर्ग के प्रचार प्रमुख रजनीश पांडेय ने बताया कि इस वर्ग में कुल 334 शिक्षार्थी और 35 शिक्षक प्रशिक्षण देने के लिए उपस्थित हुए हैं। ये सभी शिक्षार्थी एवं शिक्षक अपने महाकौशल प्रांत के विभिन्न विभागों से यहां आए हैं।

वर्ग के उद्घाटन सत्र में वर्ग के माननीय सर्वाधिकारी श्रीमान अरुण जी सैयाम एवं महाकौशल प्रांत के सह प्रांत प्रचारक श्रीमान श्रवण जी सैनी ने मंच पर भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर वर्ग का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम में सर्वप्रथम वर्ग संचालन टोली का परिचय कराया गया। अपने उद्बोधन में सह प्रांत प्रचारक श्रीमान श्रवण जी ने शिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब सुविधा छोड़कर इस प्रशिक्षण में तप करने आए हैं। आपने बताया कि प्रशिक्षण नियमित एवं नैमित्तिक दो प्रकार से चलता है नियमित कार्य हर परिस्थिति में चलते रहते हैं। डॉक्टर हेडगेवार जी ने जेल में रहकर भी व्यक्ति निर्माण के इस कार्य को जारी रखा। कोरोना कल में स्वयंसेवकों ने घर के अंदर भी शाखा लगाई। संघ के मूल कार्य मे कोई परिवर्तन स्वीकार नहीं है। संघ अनौपचारिक प्रशिक्षण के द्वारा हमारे जीवन में अनेक परिवर्तन करता रहता है जैसे गीत में कहा गया है देश हमें देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखें, इसी प्रकार गीतों के माध्यम से देशभक्ति की भावना सभी स्वयंसेवकों में जगाई जाती है। खेल के माध्यम से व्यक्ति निर्माण.. जैसे शिवाजी का खेल तो एक बहाना है मुख्य उद्देश्य व्यक्ति को शिवाजी बनाना है। आपने कहा कि हमारा मानना है कि भारत हमारी माता है तो देश के सभी लोग आपस में एक दूसरे के भाई हुए। उन्होंने शिक्षार्थियों से प्रशिक्षण में पूर्ण मनोयोग से भाग लेने का आग्रह किया। इस प्रशिक्षण में शाखा चलाने के गुण सीखना, संपर्क कैसे करना, आगे चलकर संघ का नेतृत्व करने वाला बनना, सब प्रकार के गुणों का विकास हो ऐसी रचना व्यवस्था की थोड़ी चर्चा की। आपने शिक्षार्थियों को पूजनीय माता निर्मला जी की कृपा से यह आश्रम मिलने एवं उनके बारे में पढ़ने जानने का भी आग्रह किया। अपने नकारात्मक बातों की चर्चा नहीं करना, सकारात्मक बातों पर चिंतन और चर्चा करते हुए स्वानुशासन का पालन करना चाहिए, सामूहिक जीवन में हमारे कारण कोई दूसरा परेशान ना हो इसका ध्यान रखना चाहिए, एक स्थान पर लोगों का रहना एक साथ भोजन करना यह भी प्रशिक्षण का हिस्सा है। जहां भी अच्छी बात सीखने को मिले सीखना चाहिए, छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना चाहिए, अपने जीवन में बदलाव लाएं और अच्छे गुणों का विकास हो जो देश के काम आवे ऐसी बातों की चर्चा श्रीमान सह प्रांत प्रचारक जी ने शिक्षार्थियों से की।

राष्ट्रीय डेंगु दिवस पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित, डेंगु नियंत्रण को लेकर दिलाई गई शपथ

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। राष्ट्रीय डेंगु दिवस 16 मई 2026 के अवसर पर जिला मुख्यालय में डेंगु नियंत्रण, रोकथाम एवं जनजागरूकता को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. मनीषा जुनेजा के नेतृत्व में किया गया, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, एमआई, एमटीएस, लैब टेक्नीशियन तथा जिला मुख्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान डेंगु एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए शपथ ग्रहण कराया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में जनजागरूकता फैलाने तथा डेंगु नियंत्रण संबंधी गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर राज्य शासन द्वारा आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों को डेंगु, मलेरिया एवं अन्य मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए सतत निगरानी, स्वच्छता अभियान एवं जनजागरूकता गतिविधियों को प्राथमिकता देने के निर्देश प्राप्त हुए।

जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. मनीषा जुनेजा ने जिले के समस्त एमआई एवं एमटीएस की बैठक लेकर डेंगु एवं मलेरिया नियंत्रण संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि संभावित प्रभावित क्षेत्रों में नियमित सर्वे, लार्वा जांच, फॉगिंग एवं जागरूकता अभियान संचालित किए जाएं, ताकि बीमारी के प्रसार को समय रहते नियंत्रित किया जा सके।

उन्होंने आमजन से भी अपील की कि घरों एवं आसपास पानी जमा न होने दें, साफ-सफाई बनाए रखें तथा डेंगु के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं।

ज्वेलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने चांदी आयात पर सख्ती को लेकर जताई चिंता एवं दिए सुझाव- संजय अग्रवाल

चांदी आयात प्रतिबंध पर संगठन में बैचेनी

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

ज्वेलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल ने भारत सरकार वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय महानिदेशालय विदेशी व्यापार द्वारा जारी नोटिफिकेशन नम्बर 17/2026-27 दिनांक 16 मई 2026 के अंतर्गत आईटीसी(एचएस) कोड 71069221 एवं 71069229 के तहत चांदी के आयात को फ्री श्रेणी से रिस्ट्रेक्ट श्रेणी में किए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

संगठन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि देश हित में विदेशी मुद्रा संरक्षण एवं आयात संतुलन सरकार का अधिकार है, किंतु ऐसी नीतियों का प्रतिकूल प्रभाव छोटे एवं पारंपरिक सराफा व्यापारियों, कारीगरों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर नहीं पडना चाहिए।

संगठन के अनुसार भारत में चांदी केवल व्यापारिक वस्तु नहीं बल्कि ग्रामीण एवं आदिवासी समाज की सांस्कृतिक, पारंपरिक एवं आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम है। विशेष रूप से मध्य भारत, आदिवासी क्षेत्रों एवं ग्रामीण बाजारों में चांदी आभूषणों का व्यापक उपयोग होता है। यदि आयात प्रतिबंधों के कारण चांदी की उपलब्धता प्रभावित होती है अथवा कीमतों में असामान्य वृद्धि होती हैं, तो इसका सीधा प्रभाव छोटे ज्वेलर्स, हस्तशिल्प कारीगरों एवं आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।

संगठन ने यह भी आशंका व्यक्त की हैं कि यदि आयात व्यवस्था केवल बड़े आयातकों एवं कॉर्पोरेट ट्रेडिंग संस्थानों तक सीमित हो गई, तो बाजार में असंतुलन एवं एकाधिकार जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे छोटे सराफा व्यापारियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कमजोर होगी।

ज्वेलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से निम्न प्रमुख मांगें की हैं- छोटे एवं एमएसएमई श्रेणी के सराफा व्यापारियों हेतु अलग सिल्वर इंपोर्ट कोटा निर्धारित किया जाए, छोटे ज्वेलर्स के लिए सरल एवं पारदर्शी अनुमति प्रक्रिया लागू की जाए, ग्रामीण, पारंपरिक एवं आदिवासी चांदी आभूषण उद्योग को विशेष संरक्षण प्रदान किया जाए। बाजार में किसी प्रकार की कॉर्पोरेट मोनोपॉली रोकने हेतु संतुलित आयात वितरण व्यवस्था बनाई जाए।

आर्ट ऑफ गिविंग के द्वारा आयोजित किया गया जिला स्तरीय भाषण और निबंध प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। युवाओं में व्यक्तित्व के लिए,डॉ.अच्युत सामंता जी के द्वारा संचालित संस्था आर्ट ऑफ गिविंग जो कि संपूर्ण भारत में इस वर्ष शेयर टू शाइन विषय के आधार पर कार्य कर रही है, इसी के साथ जिले बालाघाट के सीएम राइज विद्यालय में निबंध और भाषण प्रतियोगिता विश्व गुरु बनाने में युवाओं की भूमिका,,, पर भाषण प्रतियोगिता,वैश्यिक्त परिदृश्य में भारत की आर्थिक स्थिति पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन , किया गया आयोजित किया गया । जिसमें प्रथम स्थान चितरंजन हरिनखेड़े, द्वितीय स्थान मोनक्छी बिसेन , तृतीय स्थान यास्मीन खान ने प्राप्त किया,कार्यक्रम में लगभग 150 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति दर्ज की गई। इस कार्यक्रम को भागेंद्र पटले और राहुल पटले के द्वारा जिले में आयोजित में भूमिका रही ,इस अवसर स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक ललित एडे, सीएमरईस विद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुर्राम , युवा मोटीवेटर अजय बैंस , वरिष्ठ एनएसएस छात्र अमन दुबे , की उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ललित ऐसे ने कहा कि युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को अपनाए, देने की कला अलग अलग हो सकती है, लेकिन हमें जीवन जीने की कला सीखना चाहिए। और आज के आयोजन के माध्यम से युवाओं में रचनात्मकता आएगी। ऐसे आयोजन के लिए उन्होंने बधाई दी।

डम्पर की टक्कर से विद्युत पोल टूटने से बिजली गुल, घटना ग्राम पंचायत कोचेवाही के ग्राम छोटी कोचेवाही

गिट्टी से भरा तेज रफ्तार डम्पर घुसा पान दुकान में, व्यक्ति गंभीर रुप से घायल

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। सुबह के समय में डम्पर चालक को आई झपकी एक व्यक्ति के लिए घातक बन गई। डम्पर की चपेट आया हुआ व्यक्ति जिंदगी और मौत के मुँह में झूल रहा है। घटना जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत कोचेवाही के ग्राम छोटी कोचेवाही की है।

जिला पंचायत बालाघाट के पूर्व सदस्य राहुल बिसेन ने बताया कि रविवार की सुबह सिवनी की ओर से गिट्टी ले कर आ रहे तेज रफ्तार डम्पर के चालक ने सुबह लगभग सवा 4 बजे ग्राम पंचायत कोचेवाही के ग्राम छोटी कोचेवाही में सडक़ किनारे अपनी पान दुकान के सामने सो रहे सियाराम पिता लक्ष्मण पंचेश्वर उम्र 40 वर्ष को बुरी तरह से रौंद डाला। डम्पर की रफ्तार इतनी तेज थी कि वह सियाराम को रौंदते और उसकी दुकान को तोड़ते हुए पास लगे हुए 11 के वी के विद्युत पोल से जा टकराया। डम्पर की तेज टक्कर से विद्युत का लोहे का पोल क्षतिग्रस्त होकर आधा तिरछा हो गया और तार टूट गए। जिससे पूरे ग्राम की बिजली बंद हो गई। डम्पर के टकराने की तेज आवाज और बिजली बंद होने से ग्रामीणजन अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए और उन्होंने तत्काल घायल सियाराम को वाहन से शासकीय चिकित्सालय वारासिवनी पहुँचाया। जहाँ पर उसका प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला चिकित्सालय बालाघाट भेज दिया गया। घायल सियाराम को बालाघाट से भी गोंदिया उपचार के लिए ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि घायल सियाराम के सिर, हाथ व पसलियों में चोट आई है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि उसे नागपूर ले जाया जा सकता है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस थाना वारासिवनी से पुलिस कर्मी घटना स्थल पर पहुँचे और पंचनामा कार्यवाही कर डम्पर को जप्त करने की कार्यवाही की गई। बताया जाता है कि डम्पर चालक दुर्घटना के बाद घटना स्थल से फरार हो गया है। वहीं विद्युत पोल टूटने की सूचना मिलने पर मध्यप्रदेश विद्युत मंडल के अधिकारी-कर्मचारी भी घटना स्थल पर पहुँच गए और उन्होंने सप्लाई व्यवस्था को बंद कर कोचेवाही की सप्लाई को अलग कर आपूर्ति प्रारंभ कर दी। वहीं छोटी कोचेवाही की विद्युत सप्लाई पूरी तरह से बंद कर दी गई है। विद्युत मंडल द्वारा पोल को सुधारने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। उम्मीद की जा रही है कि शाम तक छोटी कोचेवाही में भी विद्युत सप्लाई प्रारंभ कर दी जायेगी।

चिकित्सालय की विभिन्न समस्याओं पर चिकित्सक से की चर्चा

जनपद उपाध्यक्ष पुष्पा अमूले व भूतपूर्व अध्यक्ष किशोर अमूले ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपायली का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

वारासिवनी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपायली का निरीक्षण जनपद पंचायत वारासिवनी की उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा अमूले द्वारा किए जाने के बाद क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर नई उम्मीदें जागृत हुई हैं। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में व्याप्त समस्याओं, रिक्त पदों, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं पर गंभीरता से चर्चा की गई।

जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा अमूले व भूतपूर्व अध्यक्ष किशोर अमूले ने अस्पताल पहुंचकर ओपीडी, वार्ड, दवा वितरण कक्ष, साफ सफाई व्यवस्था एवं कर्मचारियों की उपस्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से भी चर्चा कर अस्पताल की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए गए कि मरीजों को समय पर उपचार एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ तोहिद खान ने अस्पताल में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों की समस्या को प्रमुखता से रखा। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों की कमी के कारण ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस पर श्रीमती अमूले ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था को भी एक गंभीर मुद्दे के रूप में उठाया गया। अस्पताल परिसर में सुरक्षा कर्मियों की कमी को देखते हुए शीघ्र सुरक्षा गार्ड तैनात करने की बात कही गई, ताकि मरीजों एवं कर्मचारियों को सुरक्षित वातावरण मिल सके। श्रीमती पुष्पा अमूले ने स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए कहा कि अस्पताल में साफ सफाई किसी भी स्वास्थ्य सेवा की पहली आवश्यकता होती है। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर, वार्ड एवं शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए तथा मरीजों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जाए। दवाइयों के पर्याप्त स्टॉक की जानकारी लेते हुए उन्होंने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि मरीजों को दवाइयां केवल प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा ही दी जाएं, जिससे किसी प्रकार की लापरवाही या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो।

खबर संक्षेप

शांति समिति की बैठक आज

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सिवनी द्वारा आगामी धार्मिक पर्वों एवं आयोजनों को दृष्टिगत रखते हुए शांति समिति की बैठक आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेशानुसार यह बैठक 18 मई 2026 को शाम 5 बजे पुलिस कंट्रोल रूम सिवनी में आयोजित होगी। बैठक में आगामी ईदुजुहा (27 मई), महाराणा प्रताप जयंती (17 जून), कबीर जयंती/छठा उत्सव तथा मोहर्रम आदि पर्वों के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की जाएगी। बैठक में पुलिस, राजस्व, नगर पालिका, स्वास्थ्य, विद्युत, वन एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ शांति समिति के सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों से समय पर उपस्थित होकर आवश्यक समन्वय बनाए रखने की अपील की गई है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले के

केवलारी थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर मारने के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। केवलारी थाना क्षेत्र के ग्राम सरेखा निवासी निहाल साहू और अरविंद साहू शनिवार रात बोथिया गांव से केटरिंग का काम खत्म कर बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। केवलारी-मंडला मार्ग पर एक पेट्रोल पंप के पास उनकी बाइक को एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना मिलने पर केवलारी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने 108 एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को केवलारी सिविल अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद निहाल साहू को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल अरविंद साहू का इलाज जारी है, जिसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक निहाल साहू के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

गेहूं उपार्जन 2026-27 जिले में 2.62 लाख मीट्रिक टन से अधिक खरीदी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। सिवनी जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत गेहूं उपार्जन कार्य लगातार प्रगति पर है। 17 मई 2026 की स्थिति में जिले में कुल 2 लाख 62 हजार 389 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है।
इस वर्ष 54 हजार 96 किसानों ने पंजीयन कराया है तथा जिले में 78 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से खरीदी की जा रही है। किसानों को 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य प्रदान किया जा रहा है। उपार्जन प्रक्रिया के तहत अब तक 44 हजार 281 स्लॉट बुक किए गए, जिनमें से 32 हजार 615 किसानों द्वारा गेहूं विक्रय किया गया। उपार्जित गेहूं की कुल राशि 678.28 करोड़ रुपये दर्ज की गई है। किसानों के भुगतान के लिए 2758 ईपीओ जनरेट किए गए, जिनमें से 2669 ईपीओ साइन हो चुके हैं। अब तक 432.66 करोड़ रुपये का सफल भुगतान किसानों के खातों में किया जा चुका है।जिला प्रशासन द्वारा उपार्जन, परिवहन, भंडारण एवं भुगतान संबंधी व्यवस्थाओं की लगातार मॉनिटरिंग कर कार्यों को समयसीमा में पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

शादी समारोह के बाद सड़क पर खूनी संघर्ष; डीजे पर नाचने के विवाद में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मेहरा पिपरिया में एक शादी समारोह की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब डीजे पर नाचने की बात को लेकर शुरू हुआ विवाद सडक़ पर खूनी खेल में तब्दील हो गया। हमलावरों ने एक युवक को बीच सडक़ पर घेरकर उस पर चाकू से ताबड़तोड़ जानलेवा हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, जबकि घायल युवक काफी देर तक लहूलुहान हालत में बीच सडक़ पर ही तड़पता रहा।

डीजे पर डांस को लेकर हुआ था विवाद

जानकारी के अनुसार, ग्राम मेहरा पिपरिया में विवाह कार्यक्रम चल रहा

था। इसी दौरान डीजे पर नाचने की बात को लेकर कुछ युवकों के बीच कहासुनी हो गई। शादी संपन्न होने के बाद भी यह विवाद शांत नहीं हुआ। घात लगाए बैठे हमलावरों ने पीड़ित युवक को सडक़ पर अकेला पाकर चारों तरफ से घेर लिया और धारदार चाकू से उस पर हमला कर दिया।
बताया जा रहा है कि पीड़ित युवक ग्राम लुंगसा का रहने वाला है। अत्यधिक खून बह जाने और चोटें गंभीर होने के कारण उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए नागपुर रेफर कर दिया है।

पुलिस ने दर्ज किया मामला, तलाश जारी

सडक़ पर हुई इस सनसनीखेज वारदात के बाद क्षेत्र में हडक़ंप मच गया है। सूचना मिलते ही कान्हीवाड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए अलग-अलग टीमें बनाई हैं और उनकी तलाश तेज कर दी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण के विरोध में जिला कांग्रेस ने मशाल जुलूस निकालकर विरोध दर्ज कराया

दोषियों पर कठोर से कठोर कार्यवाही की जावे-नरेश मरावी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

देश की प्रतिष्ठित नीट(राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश) परीक्षा में हुए पेपर लीक प्रकरण ने सम्पूर्ण शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए है। केन्द्र की मोदी सरकार के संरक्षण में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और नीट परीक्षा से जुड़े अनेक भ्रष्ट लोगो द्वारा आज देश की शिक्षा व्यवस्था पूर्णतः ध्वस्त हो चुकी है।
प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी के नेतृत्व में नीट पात्रता परीक्षा में हुए पेपर लीक प्रकरण से अभिभावको के साथ हुए अन्याय के विरोध में एवं पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर नगरपालिका चौक से नेहरू रोड़ होते हुए गांधी चैक शुक्रवारी तक मशाल जुलूस निकालकर केन्द्र की मोदी सरकार के संरक्षण में पल रहें भ्रष्टाचारियों द्वारा देश के करोड़ो मेहनती छात्र-छात्राओं भविष्य अंधकार मय किये जाने के विरोध में समस्त कांग्रेस जनों की उपस्थिति में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी ने पेपर लीक प्रकरण के समस्त षडयंत्रकारियों को कठोर से कठोर सजा देने की मांग की।
इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव राजा बघेल, जेपीएस तिवारी, मोहनसिंह चंदेल, सुरेन्द्र करोसिया, विष्णु करोसिया, शफीक खान, पवन दिवाकर, अतुलचंद मालू, सुजीत नाहटा, रामकुमार कुल्हाड़ा, मुबारक खान, एड़ श्याम डेहरिया, रंजीत यादव, अशोक सिरसाम, प्रकाश सूर्यवंशी, यशपाल भलावी, तनवीर अहमद, अशोक नवरेती, धनंजय सिंह, धुव्रनारायण चैधरी, राजिक अकील, श्रीमती शबनम खान, महमूद खान, नब्बू भाई, शिबू सेंगर, नन्दू यादव, ठा. जयप्रकाशसिंह परिहार, शिवदीप डेहरिया, एजाज खान, राजेन्द्र कंगाली, रविन्द्र राजपूत, सुजीत गोदरे, एड़ राजसिंह बघेल, आरिफ सफारी, सतेन्द्र बघेल सहित बडी संख्या में कांग्रेस जन की उपस्थिति रही।

विधायक दिनेश राय मुनमुन के करकमलों से किया गया विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

सिवनी। सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन के करकमलों से विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। आज नागपुर रोड बंजारी टेकरी (पलारी) सीलादेही स्थित प्रसिद्ध शनिधाम मंदिर में श्री सिद्ध शनिधाम ट्रस्ट द्वारा शनि जयंती महापर्व के पावन अवसर पर आयोजित भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम मे भाजपा विधायक दिनेश राय मुनमुन ने

अतिथि के रुप मे सहभागिता कर मंदिर परिसर में विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। आयोजित कार्यक्रम की मंगल बेला में सर्वप्रथम भगवान शनिदेव के दर्शन कर विद्वानों के द्वारा किये गये वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक किया। तथा समस्त क्षेत्रवासियों के लिए सूर्यपुत्र, न्याय के देवता भगवान श्री शनिदेव जी से दुखों को दूर कर सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और ऐश्वर्य की कामनाएं किया। इसके पश्चात समिति द्वारा श्री राय का फूलमालाओं से आत्मीय स्वागत कर शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इसके पश्चात विधायक दिनेश राय मुनमुन के करकमलों से मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु टीनशेड, सार्वजनिक गार्डन का लोकार्पण एवं अतिरिक्त कक्ष तथा तोरण द्वारा का भूमि पूजन भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन जी एवं जनपद अध्यक्ष श्रीमती किरण भलावी जी की उपस्थिति में किया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म का मामला दर्ज ग्रामीणों ने बुलडोजर कार्रवाई की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिले के कुरई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कलबोडी सुकतरा स्थित सुकतरा-बदलपार मार्ग पर हवाई पट्टी से लगे होटल शांति वन में कथित संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद शनिवार को क्षेत्र में हडक़ंप मच गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने होटल पहुंचकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कुरई पुलिस मौके पर पहुंची और होटल में मौजूद लोगों से पूछताछ शुरू की। ग्रामीणों का आरोप है कि होटल में लंबे समय से अनैतिक एवं संदिग्ध गतिविधियां संचालित हो रही थीं, जिससे क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि होटल के आसपास आबादी एवं शैक्षणिक संस्थान होने के कारण युवाओं पर इसका गलत असर पड़ रहा था।
ग्रामीणों ने मौके पर तीन जोड़ों को पकडक़र पुलिस के हवाले किया। मामले में एक नाबालिग बालिका से जुड़ा गंभीर मामला सामने आने के बाद पुलिस ने होटल संचालक सहित अन्य आरोपियों पर पॉक्सो एक्ट एवं एससी-एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया है।
कुरई थाना प्रभारी कृपाल साह तेकाम ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। होटल में मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा पूरे मामले की जांच जारी है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

एसडीओपी ने दी जानकारी

बरघाट एसडीओपी ललित गठरे ने बताया कि अनुसूचित जनजाति की नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर रिसॉर्ट ले जाया गया, जहां उसे नशीले पदार्थ का सेवन कराकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए गए।
पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 64(1), 64(द्व), 137(2), 3(5), पॉक्सो एक्ट की धारा 3 एवं 4 तथा एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(2)(1), 3(2)(1ङ्ख) के तहत अपराध दर्ज किया है।

ये आरोपी बताए गए

अंकित सनोडिया, होटल संचालक, उम्र 23 वर्ष, निवासी डूंडासिवनी जिला सिवनी, सचिन उईके, उम्र 17 वर्ष, निवासी ग्राम साल्हे थाना कुरई, आशीष उर्फ आशु परते, उम्र 18 वर्ष, निवासी ग्राम साल्हे थाना कुरई।

ग्रामीणों ने की सख्त कार्रवाई की मांग

घटना के बाद ग्रामीणों, समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों ने थाना पहुंचकर होटल शांति वन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जांच में अवैध गतिविधियां संचालित होना प्रमाणित होता है तो होटल को तत्काल सील किया जाए अथवा प्रशासन बुलडोजर कार्रवाई करे, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लग सके।
सामाजिक कार्यकर्ताओं ने यह भी मांग उठाई कि कुरई थाना क्षेत्र के जंगलों एवं बाहरी इलाकों में संचालित रिसॉर्ट और होटलों की व्यापक जांच कराई जाए। उनका कहना है कि निष्पक्ष जांच होने पर कई और मामले सामने आ सकते हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है और लोग प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं।लिंग से दुष्कर्म का मामला दर्ज, ग्रामीणों ने बुलडोजर कार्रवाई की उठाई मांग।

गांव-गांव बह रही शराब की धारा, नशे में डूब रहा घंसौर का युवा भविष्य

शराब माफिया के आगे बेबस सिस्टम! हादसों, मौतों और बर्बाद परिवारों से दहल उठा क्षेत्र

घंसौर/ क्षेत्र घंसौर इन दिनों शराबखोरी और अवैध नशे के बढ़ते कारोबार से कराह उठा है। गांव-गांव खुलेआम शराब बिक रही है और हालात ऐसे बन चुके हैं मानो पूरे क्षेत्र में नशे का तांडव चल रहा हो। युवाओं से लेकर बुजुर्ग तक शराब की गिरफ्त में आते जा रहे हैं, जबकि शासन-प्रशासन मूकदर्शक बना बैठा है। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि शराब ठेकेदारों ने गांव-गांव अपने एजेंट तैनात कर दिए हैं, जो दिन-रात अवैध तरीके से शराब सप्लाई कर रहे हैं और प्रशासन सब कुछ देखकर भी आंखें मूंदे हुए है।
ग्रामीणों का कहना है कि पहले जहां गांवों में शांति और सामाजिक वातावरण बना रहता था, वहीं अब हर गली-मोहल्ले में शराब के कारण लड़ाई-झगड़े, मारपीट और घरेलू विवाद बढ़ते जा रहे हैं। कई परिवार बर्बादी की कगार पर पहुंच चुके हैं। युवा पीढ़ी तेजी से नशे की गिरफ्त में जा रही है और माता-पिता अपने बच्चों का भविष्य बिखरता हुआ देख रहे हैं। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि लोग अब खुलेआम कहने लगे हैं कि घंसौर में विकास कम और शराब का कारोबार ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है।
हाल ही में झाबुआ पावर प्लांट से राख लेकर जा रहे डंपर और पिकअप वाहन के बीच हुए भीषण सडक़ हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। इस दर्दनाक दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर घायलों को जबलपुर रेफर करना पड़ा। क्षेत्रवासियों का कहना है कि लगातार हो रहे सडक़ हादसों के पीछे नशाखोरी भी एक बड़ा कारण बनती जा रही है। शराब के नशे में वाहन चलाने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और नौजवान असमय मौत के मुंह में समा रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर गांव-गांव अवैध रूप से बिक रही शराब पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या शराब माफिया के सामने प्रशासन ने घुटने टेक दिए हैं? ग्रामीणों ने मांग उठाई है कि गांवों में चल रहे अवैध शराब कारोबार पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए, शराब बेचने वाले एजेंटों को चिन्हित कर जेल भेजा जाए और क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को नशे से बचाने की पहल की जाए। यदि समय रहते इस शराब तांडव पर लगाम नहीं लगी, तो आने वाले समय में घंसौर क्षेत्र सामाजिक बर्बादी, अपराध और मौतों के और भी बड़े संकट में फंस सकता है।

शुभम राजपूत के नेतृत्व में सिवनी में भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का ऐतिहासिक और भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज सिवनी। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के सिवनी प्रथम आगमन पर पूरा नगर उत्साह और संगठनात्मक ऊर्जा से सराबोर नजर आया। इस पूरे स्वागत कार्यक्रम का केंद्र बिंदु युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष शुभम राजपूत रहे, जिनके नेतृत्व में एचडीएफसी बैंक के सामने ऐतिहासिक और भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया।
शुभम राजपूत के नेतृत्व में भव्य स्वागत की श्रृंखला
प्रदेश अध्यक्ष के नगर प्रवेश के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्वागत कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, लेकिन मुख्य और विशेष कार्यक्रम का संचालन एवं नेतृत्व शुभम राजपूत ने किया। उनके नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। नगर में जगह-जगह युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जोश देखने को मिला, जिससे पूरा वातावरण संगठनात्मक ऊर्जा से भर गया।
एचडीएफसी बैंक के सामने मुख्य और ऐतिहासिक कार्यक्रम
स्वागत का प्रमुख आयोजन एचडीएफसी बैंक के सामने हुआ, जहाँ शुभम राजपूत के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का विशेष सम्मान किया गया।इस अवसर पर श्री टेलर ने सर्वप्रथम रानी दुर्गावती प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद शुभम राजपूत ने उन्हें साल, श्रीफल एवं भगवान श्रीराम का चित्र युक्त स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।
कार्यक्रम में उपस्थित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।
युवाओं के प्रेरणास्रोत बने शुभम राजपूत का आयोजन कौशल पूरे कार्यक्रम में शुभम राजपूत की संगठनात्मक क्षमता और नेतृत्व कौशल स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। उनके नेतृत्व में यह स्वागत कार्यक्रम केवल एक औपचारिक आयोजन न होकर एक प्रभावशाली राजनीतिक एवं संगठनात्मक प्रदर्शन बन गया।
प्रदेश अध्यक्ष ने युवाओं को दिया संदेश- प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने युवाओं से राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का प्रथम आगमन लखन कुमारं की नगरी लखनादौन में हुआ स्वागत

सिवनी। युवा मोर्चा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का प्रथम आगमन लखन कुमारं की नगरी लखनादौन में हुआ। इस अवसर पर युवा मोर्चा घंसौर के ब्लॉक अध्यक्ष पंडित आदित्य तिवारी एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारियों द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में शिवानी विधायक दिनेश राय मुनमुन एवं भाजपा जिला अध्यक्ष मीना विशेन युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष युवराज राहंगडाले एवं भारतीय जनता पार्टी लखनादौन विधानसभा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनजातीय क्षेत्रों में शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने विशेष अभियान

"जन भागीदारी – सबसे दूर, सबसे पहले" अभियान 18 से 25 मई तक चलेगा

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले एवं तहसील स्तर पर 18 से 25 मई 2026 तक "जन भागीदारी – सबसे दूर, सबसे पहले" अभियान संचालित किया जाएगा। यह अभियान विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों तथा पीएम जनमन एवं DA-JGUA से संबंधित ग्रामों में आयोजित होगा। अभियान का उद्देश्य दूरस्थ एवं विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदायों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना एवं पात्र हितग्राहियों का शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण सुनिश्चित करना है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

अभियान के दौरान प्रतिदिन ग्राम स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। 18 से 25 मई तक चयनित ग्रामों में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा ग्राम भ्रमण कर हितग्राहियों से सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

इस अवधि में ग्रामों में सैचुरेशन कैंप आयोजित किए जाएंगे, जिनमें पात्र व्यक्तियों को आधार पंजीयन, बैंकिंग सेवाएं, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य शासकीय योजनाओं से जोड़ने के लिये पात्रता परीक्षण, आवेदन एवं मौके पर निराकरण की कार्रवाई की जाएगी।
अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियां भी संचालित होंगी। इनमें सामान्य स्वास्थ्य जांच, सिकल सेल एनीमिया जागरूकता, पोषण परामर्श तथा निवारक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की जाएगी। 18 से 25 मई तक ग्राम स्तरीय गतिविधियों में ग्राम भ्रमण एवं स्थानीय समस्याओं का अवलोकन, ग्रामीणों के साथ बैठक एवं योजनाओं का प्रचार-प्रसार, पात्र हितग्राहियों की पहचान, स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम, जन सुनवाई तथा शिकायतों के निराकरण के लिये विभागीय कार्रवाई शामिल रहेगी। साथ ही अभियान की गतिविधियों का फोटो, वीडियो एवं प्रलेखन भी सुनिश्चित किया जाएगा।
अभियान में ग्राम पंचायतों, स्व-सहायता समूहों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों में आयोजित शिविरों एवं गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता कर शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त करें।

प्रभारी कलेक्टर ने उपार्जन कार्यों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला उपार्जन समिति की बैठक लेकर गेहूं उपार्जन कार्यों की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सीएल चनाप, जिला उपार्जन समिति के सदस्य, सभी उपार्जन केंद्र प्रभारी, परिवहनकर्ता एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।
बैठक में प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने जिले में पंजीकृत किसानों से उपार्जित गेहूं की मात्रा की जानकारी के साथ ही स्लॉट बुकिंग की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि शासन के निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 23 मई तक सभी किसानों की गेहूं खरीदी पूर्ण की जाए तथा स्लॉट बुकिंग करा चुके किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।
उन्होंने अंतिम दिनों में उपार्जन कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित रहें। किसानों के लिए पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था सहित तौल एवं परिवहन कार्य सुचारु रूप से संचालित किए जाएं। साथ ही किसानों की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।
प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने केंद्रों में उपार्जित गेहूं के त्वरित उठाव एवं सुरक्षित भंडारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने परिवहनकर्ताओं को नियमित उठाव सुनिश्चित करने तथा अधिकारियों को केंद्रों में अनावश्यक स्टॉक जमा न होने देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही किसानों के भुगतान की प्रक्रिया समय पर पूर्ण कराने के लिए आवश्यक समन्वय बनाए रखने को कहा।
उन्होंने असमायिक बारिश की संभावना को देखते हुए सभी उपार्जन केंद्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उपार्जित गेहूं को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त तिरपाल, सुरक्षित भंडारण, जल निकासी तथा बारिश से बचाव की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा, ताकि किसानों की उपज सुरक्षित बनी रहे। बैठक में बारदाने की उपलब्धता, केंद्रवार प्रगति, परिवहन व्यवस्था तथा दैनिक मॉनिटरिंग की समीक्षा भी की गई।

सरकारी दावों की चमक फीकी, बदहाल गौशाला में भूख, गंदगी और लापरवाही के बीच तड़पता गोवंश, जिम्मेदार मौन

गौशाला या मौत का अड्डा? भानेगांव में 'गौ माता' की दुर्दशा ने खोली जिम्मेदारों की संवेदनहीनता की पोल

हरिभूमि न्यूज लांजी।

एक ओर मध्यप्रदेश सरकार गोवंश संरक्षण को अपनी प्राथमिकता बताकर करोड़ों रुपए खर्च करने के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर लांजी विकासखंड के भानेगांव स्थित गौशाला की भयावह तस्वीरों ने इन तमाम दावों की सच्चाई उजागर कर दी है। यहां का मंजर किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने वाला है। जिन गौशालाओं को गौ माता की सुरक्षा और सेवा का केंद्र होना चाहिए था, वे आज बदइंतजामी, उपेक्षा और लापरवाही का प्रतीक बन चुकी हैं। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक विफलता को दर्शाती है, बल्कि जिम्मेदारों की घोर संवेदनहीनता को भी सामने लाती है।

गंदगी, भूख और बीमारी के बीच तड़पती गौ माता

भानेगांव गौशाला में गोवंश की हालत बेहद दयनीय बताई जा रही है। परिसर में चारों ओर फैली गंदगी, बदबू और अव्यवस्था साफ तौर पर यह बता रही है कि यहां नियमित साफ-सफाई तक नहीं कराई जा रही। कई गायें कुपोषित और कमजोर हालत में नजर आ रही हैं। पर्याप्त हरे चारे और स्वच्छ पानी की व्यवस्था न होने से उनकी हालत लगातार बिगड़ रही है।

बीमार और घायल गायों के उपचार के लिए पशु चिकित्सकों की नियमित निगरानी का भी अभाव बताया जा रहा है। सवाल यह है कि जिन बेजुबान पशुओं की सेवा के नाम पर सरकारी राशि खर्च की जा रही है, वे आखिर इस अमानवीय हालात में क्यों जीने को मजबूर हैं?

देखरेख की जिम्मेदारी, लेकिन जवाबदेही से बचते जिम्मेदार

सूत्रों के मुताबिक गौशाला की देखरेख की जिम्मेदारी रमाताई समूह को सौंपी गई है, जिसकी अध्यक्ष सुषमा बोरकर हैं। इसके बावजूद हालात यह हैं कि गौशाला बदहाली की मिसाल बन चुकी है। ग्राम पंचायत, पशुपालन विभाग और स्थानीय प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। जिम्मेदारों की लापरवाही इतनी स्पष्ट है कि लगता है जैसे निरीक्षण और मॉनिटरिंग केवल कागजों तक सीमित रह गई है। यदि समय रहते निगरानी और जवाबदेही तय की जाती, तो शायद गौ माता को यह नारकीय स्थिति नहीं झेलनी पड़ती।

स्थानीयों में आक्रोश, जांच और कार्रवाई की उठी मांग

स्थानीय लोगों का आरोप है कि अच्छी नस्ल की गायों को कोर्ट प्रक्रिया के जरिए छुड़वा लिया जाता है, जबकि कमजोर और बीमार गायों को गौशाला में मरने के लिए छोड़ दिया जाता है। यह आरोप यदि सही साबित होते हैं तो यह गंभीर अनियमितता का मामला है। लोगों में इसको लेकर भारी आक्रोश है और प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है। अब देखना यह है कि शासन-प्रशासन इस शर्मनाक लापरवाही पर कब तक आंखें मूंदे रहता है।

मामला जप लालबर्रा का... जिम्मेदारों का संरक्षण, भ्रष्टाचार का बड़ा ग्राफ

भाण्डामुर्री में जल गंगा संवर्धन अभियान मे हुए भ्रष्टाचार पर जिला प्रशासन गंभीर नहीं

बिना सहमति के 181 पर दर्ज शिकायत कर दी गई बंद

हरिभूमि न्यूज लालबर्रा।

हरिभूमि
भाण्डामुर्री सरपंच सचिव... नोटिस जारी
नहीं बनाया रिचार्ज पिट (डगवेल) डकार ली राशि!

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Jabalpur Satpura Bhoomi - 01 Jan 2026 - Page 4
मामला शासकीय राशि के गबन का
भांडामुर्री डगवेल घोटाला : भ्रष्टाचारियों पर ठोस कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे सीईओ अभिषेक सराफ
सतपुड़ा भूमि
भांडामुर्री डगवेल घोटाला - सुर्खियों के बावजूद प्रशासनिक 'आँखें बंद', सांठगांठ की बू..

जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भाण्डामुर्री मे जल गंगा संवर्धन अभियान मे सरपंच,सचिव द्वारा शासन से धोखाधड़ी कर कूटरचित तरीके से राशि का आहरण कर लिया गया और कागजों में कार्य पूर्ण बता दिया गया। वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार का मामला फिर सुर्खियों में आ गया है भाण्डामुर्री के जागरूक नागरिक व शिकायतकर्ता अरुण ठाकरे ने जिला प्रशासन की कार्य शैली पर सवाल उठाया है.. और आरोप लगाया है कि जिला स्तरीय जांच दल द्वारा प्रस्तुत शिकायत की जांच सही पाए जाने के बाद भी दोषी सरपंच सचिव और उप यंत्री पर कोई कार्रवाई नहीं की गई और विडंबना देखो की शिकायतकर्ता की सहमति के बिना ही सीएम हेल्पलाइन 181 पर दर्ज शिकायत बंद कर दिया गया. जो मेरे मौलिक अधिकारों का हनन है मेरी संतुष्टि के बगैर शिकायत कैसे बंद की गई. सवाल जिला प्रशासन से है कि यह कैसी जांच है। मेरा बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीणा से अनुरोध है कि जल्द से जल्द ग्राम पंचायत भाण्डामुर्री मे सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल गंगा संवर्धन अभियान में किए गए भ्रष्टाचार में पलिता लगाने मे दोषी सरपंच सचिव और उपन्यत्री पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाए और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे जिम्मेदार अधिकारी पर भी नकेल कसी जाए ताकि भ्रष्टाचार फल के साथ फुल ना सके और सरकार की महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सहित ढंग से हो सके।

जिम्मेदारों का संरक्षण, भ्रष्टाचार को मिल रहा बढ़ावा : ग्राम पंचायत भाण्डामुर्री में ग्राम विकास के नाम पर शासकीय राशि के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार की शिकायत उपसरपंच सहित ग्राम के पंचो जागरूक नागरिकों के द्वारा की गई थी जिसकी जांच जिला स्तरीय जांच दल और जनपद द्वारा गठित जांच दल द्वारा की गई शिकायत की जांच में पाया गए कि जल गंगा संवर्धन अभियान में भारी भ्रष्टाचार किया गया है और शासन द्वारा आवंटित राशि पांचवा वित्त आयोग और 15 वित्त आयोग की राशि का बंदरबाट किया है उक्त गंभीर मामले पर जिला स्तरीय जाँच टीम और जनपद द्वारा गठित जाँच दल द्वारा जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ को जांच प्रतिवेदन भी सौंपा जा चुका है बावजूद भ्रष्टाचार के गंभीर मामले में मुख्य कार्यपालन अधिकारी की खामोशी कई सवालों को जन्म दे रही है जिम्मेदार अधिकारी द्वारा भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई नहीं करना भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना जैसा है आखिर मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ भ्रष्टाचारियों पर क्यों मेहरबान है आखिर कब तक चलता रहेगा नोटिस को दौर.. बालाघाट कलेक्टर गंभीर मामले पर ध्यान दे और जल गंगा संवर्धन अभियान में भ्रष्टाचार करने वालों पर पंचायत राज अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई भी करें. कार्रवाई के होने से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सकता है।

कहां गए दस्तावेज.. लापरवाह अधिकारी पर दर्ज हो प्राथमिकी: जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत ग्राम पंचायत भाण्डामुर्री मैं वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का अंबार लगा हुआ है व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर उपसरपंच सहित पंचो एवं जागरूक नागरिक अरुण ठाकरे द्वारा प्रस्तुत शिकायत की जांच करने पहुंचे जिला स्तरीय जांच दल और जनपद द्वारा गठित जाँच दल के अधिकारियों को जांच के समय योजनाओं से संबंधित फाईले वह अन्य अभिलेख ग्राम पंचायत में नहीं मिले . आखिर ग्राम पंचायत के जरूरी दस्तावेज कहां गए किसके पास है यह जवाब देही तय होनी चाहिए और लापरवाह अधिकारियों पर कानूनी शिकंजा कसना चाहिए ताकि कोई भी शासकीय अधिकारी और कर्मचारी शासकीय दस्तावेजों को अपनी जागीर न समझे और उसे कार्यालय में ही व्यवस्थित रखें. ग्राम पंचायत में अभिलेखों का न मिलना बड़े भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहा है लेकिन जिम्मेदार है कि उक्त गंभीर मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने का कार्य कर रहे हैं जिसके चलते भ्रष्टाचार फल के साथ फूल रहा है और भ्रष्टाचारियों की हौसले बुलंद है समय रहते भ्रष्टाचारीयो पर लगाम नहीं लगाई गई तो शासन की अनेकों महत्वाकांक्षी योजना जमीन पर नजर नहीं आएगी और सरकार की किरकिरी होंगी। इस पूरे मामले में लापरवह जन प्रतिनिधि और अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाए और शासकीय दस्तावेजों के रखरखाव में की गई लापरवाही पर थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई जाए। और भ्रष्ट जनप्रतिनिधि और अधिकारियों को जेल का रास्ता दिखाया जाए। आने वाले दिनों में देखना होगा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में किए गए भ्रष्टाचार लेकर जिला कलेक्टर मृणाल मीणा क्या निर्देश जारी करते हैं.? या फिर ऐसे ही चलता रहेगा भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का खेल..?

इनका कहना हैं

मेरी बिना संतुष्टि के सीएम हेल्पलाइन मे दर्ज शिकायत क्रमांक 34296335 बंद कर दी गई है। जो अनुचित है। शिकायत सही पाए जाने के बाद भी भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच सचिव और उपन्यत्री पर कार्रवाई नहीं हो रही है। हम चाहते हैं कि भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई हो।

अरुण ठाकरे, निवासी, ग्राम पंचायत भाण्डामुर्री (शिकायतकर्ता)

शराब दुकान हटाने की मांग पर 35 दिन से धरना

महिलाएं बोली-नेताओं के वादे 'लॉलीपाप' साबित हो रहे

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में महिलाएं 35 दिनों से शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रही हैं। 41 डिग्री तापमान के बावजूद वे तपती धूप में धरना दे रही हैं।

आंदोलनकारी महिलाओं का कहना है कि क्षेत्र में नगर पालिका अध्यक्ष, विधायक, सांसद और आयोग सदस्य तक महिलाएं हैं, फिर भी उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। नेताओं ने मौके पर पहुंचकर वादे किए और तस्वीरें खिंचवाईं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

अप्रैल में नगर पालिका अध्यक्ष ने दुकान की जर्जर हालत की जांच कराने की बात कही थी। हालांकि, मई का महीने में भी नगर पालिका के इंजीनियरों ने दुकान का निरीक्षण करने की जहमत नहीं उठाई।

आंदोलनकारी महिलाओं का मानना है कि नेताओं के वादे 'लॉलीपाप' साबित हो रहे हैं। महिला सीमा उपलपवार ने बताया कि 35 दिनों के लगातार आंदोलन के बावजूद किसी भी नेता का आश्वासन पूरा नहीं हो सका है।

आंदोलन कर रही एक महिला उपलपवार ने कहा कि महिलाएं तब तक आंदोलन से नहीं हटेंगी, जब तक शराब दुकान को हटाया नहीं जाता। उन्होंने नेताओं को याद दिलाया कि आगामी 2027 के चुनावों में उनका वोट उसी उम्मीदवार को मिलेगा, जो शराब दुकान हटवाएगा। इस बीच, आंदोलन स्थल पर महिलाओं ने स्वरोजगार के तहत बड़ी और पापड़ बनाने का काम भी शुरू कर दिया है।

अवैध खनिज पत्थर परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई

ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त, नियम 2022 के तहत होगी कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। खनिज विभाग द्वारा अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 17 मई 2026 को खनिज अमले द्वारा तहसील वारासिवनी अंतर्गत ग्राम एकोडी में छापामार कार्रवाई की गई। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर क्रमांक MP50A6480, सलंग्न ट्रॉली में खनिज पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया। वाहन चालक देव लाल लीलहरे निवासी राजेगांव से खनिज पत्थर परिवहन संबंधी वैध अनुमति एवं रॉयल्टी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

इस पर खनिज विभाग द्वारा उक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं खनिज पत्थर को विधिसम्मत जप्त कर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा प्रांगण में खड़ा कराया गया है। प्रकरण में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत आगे की वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर

बालाघाट। एन.सी.सी. के दस दिवसीय 97वें संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-97) के तीसरे दिन की शुरुआत प्रातःकालीन पीटी एवं योग अभ्यास के साथ हुई। शिविर में कैडेट्स को शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं अनुशासित बनाए रखने के उद्देश्य से नियमित व्यायाम एवं योग कराया गया। शिविर के दौरान जिन कैडेट्स को पूर्व में फायरिंग का प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया गया था, उन्हें भरवेली फायरिंग रेंज में ले जाकर फायरिंग अभ्यास कराया गया।

राजीव सागर परियोजना से बावनथड़ी नदी में छोड़ा गया पानी, पेयजल संकट से मिलेगी राहत

बालाघाट। कटंगी क्षेत्र में भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते पेयजल संकट के बीच रविवार 17 मई 2026 को आमजन को बड़ी राहत मिली। विधायक गौरव सिंह पारधी की उपस्थिति में राजीव सागर वृहद परियोजना कुड़वा के सेंट्रल स्पिलवे के गेट क्रमांक 3 एवं 4 को दोपहर 1:55 बजे 30 सेंटीमीटर तक खोलकर 55.39 क्यूमेक जल बावनथड़ी नदी में प्रवाहित किया गया। इस दौरान अधीक्षण यंत्री जल संसाधन विभाग श्री यू.एस. परते, एसडीएम श्री के.सी. ठाकुर, बांध प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन उपसंभाग क्रमांक-4 कुड़वा, जल संसाधन नहर उपसंभाग कटंगी की प्रभारी उपयंत्री सुश्री कंचन टेकाम, सुश्री प्रीति बल्ले, ई एंड एम उपयंत्री श्री संजय भलावी, जल संसाधन सर्वेक्षण संभाग बालाघाट के एसएसी श्री अविनाश रीड, बांध के पूर्व प्रभारी एवं वर्तमान में सेवानिवृत्त कार्यपालन यंत्री श्री भीमटे सहित कमांड एरिया के पूर्व संस्था अध्यक्ष, सदस्य एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में लगातार बढ़ती गर्मी और जलस्त्रोतों के सूखने से पेयजल संकट गहराता जा रहा था। ऐसे में राजीव सागर परियोजना से नियंत्रित रूप से पानी छोड़े जाने से आसपास के क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता बेहतर होगी तथा आम नागरिकों को राहत मिलेगी। विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि जनता को पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है और जल संकट की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग लगातार समन्वय बनाकर कार्य कर रहा है।

फिल्ड कर्मचारियों को दिये दिशा-निर्देश, एक्सीडेंटल लोकेशन पर फोकस

पंचायतों से संवाद में कार्यपालन अभियंता ने स्मार्ट विद्युत मीटर के बताये फायदें

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित निराकरण किये जाने की दिशा में बालाघाट विद्युत विभाग संभाग द्वारा बेहतर तरीके से क्रियान्वयन किया जा रहा है। कार्यपालन अभियंता रवि कुमार कुम्हरे द्वारा लांजी क्षेत्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जहां उन्होंने एसडीएम की मौजूदगी में क्षेत्र की पंचायतों की बैठक ली एवं स्मार्ट विद्युत मीटर का कार्य प्रारंभ होने की जानकारी देते हुए इसके फायदे भी बताये।

बैठक में श्री कुम्हरे ने जानकारी दी कि लांजी जनपद के अंतर्गत आने वाली सभी ग्राम पंचायत भवन, वाटर वर्क, स्ट्रीट लाइट के विद्युत कनेक्शन में स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है। लाँजी, भानेगांव एवं कारंजा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सभी पंचायत में यह काम युद्धस्तर पर शुरू कर दयिा गया है। जिससे अब पंचायत के बिजली बिल की रीडिंग स्मार्ट मीटर से सीधे उठ कर बिलिंग सिस्टम में पहुंच जाएगी और असेसमेंट रीडिंग से आने वाले विद्युत बिल से छुटकारा मिलेगा।

क्या है स्मार्ट मीटर के फायदे

कार्यपालन अभियंता रवि कुमार कुम्हरे द्वारा स्मार्ट मीटर को लेकर फैली भ्रान्तियों को दूर करने का प्रयास किया गया जिसमें उन्होंने इसे सटिक रिडिंग, समय की बचत एवं बेहतर मॉनिटरिंग बताया। जानकारी दी गई कि स्मार्ट मीटर होने से अब कर्मचारी को रीडिंग लेने नहीं जाना होगा, स्मार्ट मीटर से प्रत्येक माह ऑटोमैटिक रीडिंग उठेगी और खपत अनुसार बिल जारी होगा। पंचायत कर्मचारी और सरपंच-सचिव अब स्वयं मोबइल पर प्रत्येक दिन की खपत देख सकेंगे। स्मार्ट बिजली एप्लीकेशन के माध्यम से खपत की स्थिति पता चलेगी। इससे ना सिर्फ विद्युत चोरी पर अंकुश लगेगा बल्कि पारदर्शिता भी आयेगी।

आयोजित बैठक में अनुविभागीय अधिकारी लाँजी, सीईओ जनपद पंचायत लांजी तथा विद्युत विभाग के अधिकारीयों, पंचायत सचिव, रोजगार सहायकों की उपस्थिति रही। जहां पंचायतों के द्वारा जानकारी साझा की गई कि विद्युत बिल अधिक आने की समया था और जहां मीटर खराब है उन्हें बदलने की मांग रखी गई थी। सहायक अभियंता उपसंभाग द्वारा कहा गया कि 15 दिन में सभी पंचायतों के कनेक्शन की जांच की जायेगी और आवश्यक कार्य को पूर्ण किया जायेगा। साथ ही शिकायतों पर भी गंभीरता दिखाते हुए उन्हें कनिष्ठ अभियंता द्वारा निरीक्षण कर नियमानुसार कार्यवाही किये जाने आश्वस्त किया गया है।

विद्युत दुर्घटना संभावित क्षेत्रों पर फोकस-कुम्हरे

लांजी क्षेत्र के दौरे में कार्यपालन अभियंता रवि कुमार कुम्हरे ने फिल्ड अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे एक्सीडेंटल लोकेशन पर फोकस करें और यहां पर कार्य की गति को बढ़ाया जाये। बालाघाट जिला कार्यालय से इसकी निगरानी की जायेगी साथ ही जहां विद्युत तारों की उंचाई कम है या फिर तार झूल रहे है इन स्थानों को चिन्हांकित करते हुए लगातार कार्य किया जा रहा है और प्रोजेक्ट के तहत तत्परता दिखाते हुए पुरानी एवं खराब लाइन के पोल को बदलने के कार्य किये जाने की जानकारी दी। उपभोक्ताओं का समय-समय पर मिलने वाला सहयोग महत्वपूर्ण होने के साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं सुविधा के लिये सहायक होने पर उन्होंने विद्युत ग्राहकों का धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

फीडर की निगरानी और शिकायतों पर गंभीरता बरतने दिये निर्देश

विद्युत व्यवस्था को लेकर कार्यपालन अभियंता ने किया लांजी क्षेत्र में निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

लाँजी क्षेत्र में आ रही विधुत समस्या को लेकर कार्यपालन अभियंता रवि कुमार कुम्हरे द्वारा शनिवार 16 मई को लाँजी, भनेगांव उपकेंद्र का दौरा किया गया साथ ही लांजी मुख्यालय को विद्युत सिप्लाई करने वाले 11 केवी फीडर को भी फील्ड़ में चेक किया गया। ग्रीष्मकालीन लोड बढने के कारण फीडर मै ट्रपिंग की समस्या आ रही है एवं उपकेंद्र के वीसीबी पैनल में तकनिकी खराबी के कारण दिक्कतें हुई थी जिसे शनिवार को एसटीसी /एसटीएम संभाग द्वारा सुधार कार्य कार्य किया गया है एवम 11 केवी में आ रही ट्रपिंग को काम करने के लिए 18 मई सोमवार को सुबह समय में मेंटेनेंस कार्य करने के निर्देश दिए गए है, ताकि लाँजी क्षेत्र में ग्रीष्मकाल के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जा सके। साथ सभी लाइन कर्मचारी को निर्देशित किया गया है बिजली सम्बंधित शिकायत का निराकरण तत्परता के साथ किया जाए एवम उपभोक्ता की शिकायत को प्राथमिक पर किया जाए कनिष्ठ अभियंता दैनिक स्थिति से संभाग कार्यालय को अवगत करेंगे।

प्रवेश प्रारंभ
Approved by AICTE, New Delhi, Affiliated to RGPV Bhopal & OTE MP
सतपुड़ा इंजीनियरिंग कॉलेज
B.Tech. 4 Year Degree 12th Mats Pass
Polytechnic 3 Year Diploma 10th Pass
कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
माईनिंग इलेक्ट्रिकल
सिविल मेकेनिकल
JOB SAHI
सतपुड़ा कैम्पस, लाल रोड, मांझापुर बालाघाट (म.प्र.)
9425836824, 62625604111 Web: www.satpudaengineeringcollege.com